वृन्दावन सो वन नहीं

वृन्दावन सो वन नहीं,
नंदगांव सो गांव !

बंशीवट सो वट नहीं,
कृष्ण नाम सो नाम

राधा मेरी स्वामिनी,
मैं राधे को दास।

जनम जनम मोहे दीजियो,
श्री वृन्दावन को वास।

वृन्दावन के वृक्ष को,
मरम न जाने कोय।

डाल डाल और पात पे
श्री राधे राधे होय।।

राधा राधा कहत ही,
सब बाधा मिट जाय।

कोटी जनम की आपदा,
नाम लिये सों जाय,

Source: https://www.bharattemples.com/vrindhavan-so-van-nhi/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw